पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज द्वारा दिनांक 29.11.2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत किसानों की आय बढ़ाने हेतु "मूंज आधारित आजीविका हेतु हस्तकला विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा० के० सत्यनारायण, निदेशक, केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची तथा केन्द्र प्रमुख डा० संजय सिंह द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया तदोपरांत डा० के० सत्यनारायण ने मूंज के उत्पादों की मानव जीवन में आदिकाल से अब के महत्वों व उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा इसके क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले स्वरोजगार संभावनाओ के बारे में प्रकाश डाला ।

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज के केन्द्र प्रमुख डा० संजय सिंह द्वारा स्वागत भाषण में मूंज आधारित आजीविका हेतु हस्तकला के माध्यम से निर्मित वस्तुओं से आय को बढ़ाने पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी गयी और उन्होंने बताया की स्वयं सेवा समूहों के प्रयास से मूंज उत्पादों की पहुच विदेशो तक हो गयी है ।

कार्यक्रम समन्वयक, व वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री आलोक यादव द्वारा एक "जिला एक उत्पाद" के अंतर्गत मूंज की भूमिका और उपयोग तथा सम्बंधित आजीविका पर प्रकाश डाला गया और मूंज के उत्पाद व बाजार में बढ़ती मांग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित किसानो को प्रशिक्षक बीबी फातिमा तथा परबीन बानो द्वारा कार्यक्रम विषयक हस्तकला प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसके अंतर्गत मूंज के उपयोग से बनने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं को हस्तकला के माध्यम से तैयार करने के तरीकों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में ३६ युवाओ ,महिलाओं व किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

हिन्दी दैनिक
KT KAUSHAMBI TIMES
कौशाम्बी टाइम्स
प्रयागराज, बुधवार, 30 नवम्बर, 2022
प्रयागराज 3

मूंज आधारित आजीविका हेतु हस्तकला प्रशिक्षण हेतु एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत किसानों की आय बढ़ाने हेतु ड'मूंज आधारित आजीविका हेतु हस्तकलाड विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा0 के0 सत्यनारायण, निदेशक, केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची व केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह के साथ वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। केन्द्र प्रमुख डा0 सिंह ने पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा आयोजित मूंज आधारित प्रशिक्षण को अभिनव का विषय बताया।

इसी क्रम में उन्होंने बताया कि मूंज आधारित आजीविका हेतु हस्तकला के माध्यम से निर्मित वस्तुओं द्वारा किसानों की आय को बढ़ाने के साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था में भी सुधार लाया जा सकता है। कार्यक्रम समन्वयक, आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा प्रशिक्षकों का परिचय देते हुए एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत मूंज की भूमिका और उपयोग पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम में उपस्थित मूंज प्रशिक्षक बीबी फातिमा तथा परवीन बानो द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को कार्यक्रम विषयक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसके अंतर्गत मूंज के उपयोग से बनने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं को हस्तकला के माध्यम से तैयार करने के तरीकों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में लगभग 100 से अधिक किसानों तथा नगर के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

वहीं पूर्वी उत्तर-प्रदेश में तसर (रेशम) की खेती को बढ़ावा देने के लिए पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज तथा केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची के मध्य समझौता ज्ञापन किया गया, जिसके अंतर्गत दोनों संस्थान तसर रेशम कि खेती को उत्तर प्रदेश में बढ़ाने के लिए कृषकों को प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करने के लिए मिलकर कार्य करेंगे। समझौता ज्ञापन हेतु केंन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान से निदेशक, डा0 के0 सत्यनारायण के साथ वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 जे0 पी0 पाण्डेय तथा डा0 के0 बिनकाडाकट्टी उपस्थित रहे। केन्द्र के अधिकारियों, प्रभागीय वन अधिकारी-प्रयागराज, समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, प्रयागराज तथा कौशाम्बी के साथ विभिन्न गैर-सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा समझौता ज्ञापन विषय पर अपने-अपने विचार व्यक्त किये गये। कार्यक्रम में केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान से उपस्थित तसर (रेशम) विशेषज्ञों द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों को तसर उत्पादन तथा इससे होने वाले लाभों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी साथ ही प्रतिभागियों द्वारा तसर के उत्पादन में होने वाले सम्भ्रान्तियो को भी दूर किया गया।

किसानों की आय बढ़ाने में हस्तकला सहायक

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र में मंगलवार को आयोजित मूंज आधारित आजीविका के लिए हस्तकला प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद विशेषज्ञ।

प्रयागराज, प्रमुख संवाददाता। प्रयागराज में लोगों को मूंज से उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से मंगलवार को संस्थान के परिसर में आयोजित कार्यशाला में बीबी फातिमा, परवीन बानो ने मूंज से उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया।

मुख्य अतिथि डॉ. के सत्यनारायण व पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र के प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन किया। डॉ. सिंह ने मूंज आधारित प्रशिक्षण के बारे में अपने अनुभव को साझा किया। डॉ. सिंह ने बताया कि मूंज आधारित आजीविका के लिए हस्तकला के माध्यम से निर्मित वस्तुओं से किसानों की आय को बढ़ाने के साथ भारत की अर्थव्यवस्था में भी सुधार लाया जा सकता है। कार्यक्रम समन्वयक आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत मूंज की भूमिका और उपयोग पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में लगभग 100 से अधिक किसानों तथा छात्र-छात्राओं नें प्रशिक्षण प्राप्त किया।

रेशम की खेती बढ़ाने के लिए करार

पूर्वी उत्तर प्रदेश में तसर (रेशम) की खेती बढ़ाने के लिए पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज और केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची के बीच मंगलवार को समझौता हुआ। इस समझौते के अंतर्गत दोनों संस्थान रेशम की खेती को उत्तर प्रदेश में बढ़ाने को कृषकों को प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करेंगे। समझौता पर हस्ताक्षर के समय केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक, डॉ. के सत्यनारायण के साथ वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जे पी पांडेय तथा डॉ. के बिनकाडाकट्टी उपस्थित रहे।

प्रयागराज 3
अमृत प्रभात
प्रयागराज, बुधवार 30 नवम्बर 2022

योग प्रतियोगिता में शिक्षक, शि

प्रयागराज (नि.सं.)। परिषदीय विद्यालय के शिक्षक
का आयोजन डायट में किया गया। कार्यक्रम में अ
शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उ
गया। कार्यक्रम के संयोजक संस्थान के
बताया गया कि कार्यक्रम में शिक्षक
प्रथम स्थान पर रहे। द्वितीय स्थ
कुमार द्विवेदी रहे। जबकि
विद्यालय कुरिया चाक
सॉविलियन विद्याल
कुमार मिश्रा, गं

मूंज आधारित आजीविका के लिये दिया हस्तकला प्रशिक्षण

प्रयागराज (नि.सं.) पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत मंगलवार को किसानों की आय बढ़ाने के लिये "मूंज आधारित आजीविका के लिये हस्तकला विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. के. सत्यनारायण, निदेशक, केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रांची व केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह के साथ वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. सिंह ने पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा आयोजित मूंज आधारित प्रशिक्षण को अभिनव का विषय बताया। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि मूंज आधारित आजीविका के लिये हस्तकला के माध्यम से निर्मित वस्तुओं द्वारा किसानों की आय को बढ़ाने के साथ ही भारत की अर्थव्यवस्था में भी सुधार लाया जा सकता है। कार्यक्रम समन्वयक, आलोक यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा प्रशिक्षकों का परिचय देते हुए एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत मूंज की भूमिका और उपयोग पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में उपस्थित मूंज प्रशिक्षक बीबी फातिमा तथा परवीन बानो द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को कार्यक्रम विषयक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसके अंतर्गत मूंज के उपयोग से बनने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं को हस्तकला के माध्यम से तैयार करने के तरीकों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में लगभग 100 से अधिक किसानों तथा नगर के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।